बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – चतुर्थ **दिनांक -07 -11 -2020**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज सर्वनाम के भेद बारे में पुनः अध्ययन करेंगे।

सर्वनाम के भेद -

सर्वनाम छह प्रकार के होते हैं-

1. पुरुषवाचक सर्वनाम
2. निजवाचक सर्वनाम
3. निश्चयवाचक सर्वनाम
4. अनिश्चयवाचक सर्वनाम
5. प्रश्नवाचक सर्वनाम
6. संबंधवाचक सर्वनाम

1. <u>पुरुषवाचक सर्वनाम</u>

"जिस सर्वनाम का प्रयोग स्त्री एवं पुरुष दोनों के लिए किया जाता है, 'पुरुषवाचक सर्वनाम' कहलाता है।"

सर्वनाम का अपना कोई लिंग नहीं होता है। इसके लिंग का निर्धारण क्रियापद से ही होता है। पुरुषवाचक सर्वनाम के अंतर्गत मैं, तू, आप, यह और वह आते हैं।

नीचे लिखे उदाहरणों को देखें-
<u>मैं</u> फिल्म देखना चाहता हूँ। (पुं०)
<u>मैं</u> घर जाना चाहती हूँ। (स्त्री०)
<u>तू</u> कहता है तो ठीक ही होगा। (पुं०)
<u>तू</u> जब तक आई तब तक वह चला गया। (स्त्री०)

आजकल आप कहाँ रहते हैं? (पुं०)
आप जहाँ भी रहती हैं खुशियों का माहौल रहता है। (स्त्री०)

पुरुषवाचक सर्वनामों की तीन स्थितियाँ (भेद) होती हैं-

1. उत्तमपुरुष: जिस सर्वनाम का प्रयोग बात कहनेवाले के लिए हो।

जैसे-
मैं कहता हूँ कि नदियाँ सूखती जा रही हैं।
इसके अंतर्गत 'मैं' और 'हम' आते हैं।

2. मध्यम पुरुष : जिस सर्वनाम का प्रयोग उसके लिए हो, जिससे कोई बात कही जाती है।
इसके अन्तर्गत तू, तुम और आप आते हैं।

जैसे-
मैंने आपसे कहा था कि वह बीमार नहीं है।

3. अन्यपुरुष : जिस सर्वनाम का प्रयोग उसके लिए हो जिसके विषय में कुछ कहा जाता है।